भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1748
बुधवार, 29 जुलाई, 2026 को उत्तर देने के लिए

युविका (युवा विज्ञानी कार्यक्रम)

1748. श्री दिलेशवर कामैतः
श्री हरिभाई पटेलः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2026 के दौरान युविका (युवा विज्ञानी कार्यक्रम) के तहत हुई प्रगति का, चयनित छात्रों की संख्या सहित इसमें भाग लेने वाले इसरो केंद्रों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस कार्यक्रम के तहत आयोजित प्रमुख हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग मॉडलों, आउटरीच गतिविधियों और मार्गदर्शन पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का अतिरिक्त इसरो केंद्रों, संस्थागत भागीदारियों और छात्रों के नामांकन/प्रवेश में वृद्धि के माध्यम से इस कार्यक्रम का और विस्तार करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इस कार्यक्रम में ग्रामीण, दूर-दराज तथा आकांक्षी जिलों के छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) युविका 2026 कार्यक्रम 11 से 22 मई, 2026 के दौरान इसरो के नौ केंद्रों, नामत: विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी), सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार (एसडीएससी शार), राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी), यू आर राव उपग्रह केंद्र (यूआरएससी), अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (सैक), भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस), उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एनईसैक), इसरो नोदन परिसर (आईपीआरसी) और क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (आरआरएससी) पश्चिम में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के 456 मेधावी छात्रों ने भाग लिया।

(ख) युविका 2026 कार्यक्रम के दौरान छात्रों को अनुभव-आधारित ज्ञान और वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं गगनयात्रियों के साथ संवाद, अंतरिक्ष विज्ञान तथा इसरो की उपलब्धियों पर व्याख्यान, आरएच-200 रॉकेट के प्रक्षेपण का प्रत्यक्ष अवलोकन, अंटार्कटिका स्थित भारत के भारती स्टेशन की टीम के साथ सीधा संवाद, वाटर रॉकेट के प्रदर्शन तथा नियंत्रण योग्य रोबोटिक किट के माध्यम से आधारभूत रोबोटिक्स पर कार्य करने, चंद्रयान-3 डीआईवाई किट के संयोजन, मॉडल रॉकेट का संयोजन एवं प्रक्षेपण तथा दूरबीन के माध्यम से आकाश को निहारने जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उनके अनुप्रयोगों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

(ग) युविका के 2026 संस्करण में 9 इसरो केंद्रों पर 456 छात्रों ने भाग लिया, जबकि पिछले संस्करण में 7 इसरो केंद्रों पर 350 छात्र शामिल हुए थे। फिलहाल, इस कार्यक्रम को और बढ़ाने के लिए किसी तरह की संस्थागत भागीदारी की कोई योजना नहीं है।

(घ) युविका कार्यक्रम में चयन मेधा के आधार पर होता है। हालाँकि, ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों के छात्रों को 15% का विशेष महत्व दिया जाता है।

****